लखनऊ विश्वविद्यालय

यतः श्री प्रयाग नारायण, एम. ए. ने

इस विश्वविद्यालय के कला संकाय के अंतर्गत **डॉक्टर ऑव फिलॉसफी** की उपाधि हेतु संस्कृत विषय में निर्धारित शोध-कार्य पूर्ण करने के उपरान्त पर्याप्त योग्यता का शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत किया जो ज्ञान के क्षेत्र में मौलिक देन है।

अतः प्रमाणित किया जाता है कि इस विश्वविद्यालय द्वारा इन्हें **डॉक्टर ऑव फिलॉसफी** की उपाधि

सन् १९९४ में प्रदान की गई।

शोध-प्रबन्ध का शीर्षक : "जयन्त भट्ट विरचित षण्मत नाटक एक समीक्षात्मक अध्ययन।"

लखनऊ

दिनांक १४ मार्च, १९९६

एम. पी. सिंह

कुलपति

S.NO. 22631

लखनऊ विश्वविद्यालय

यतः प्रयाग नारायण ने इस विश्वविद्यालय के कला संकाय में डॉक्टर ऑव लिटरेचर की उपाधि हेतु संस्कृत विषय में निर्धारित शोध-कार्य पूर्ण करने के उपरान्त पर्याप्त योग्यता का शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत किया जो ज्ञान के क्षेत्र में एक मौलिक देन है ।

अतः प्रमाणित किया जाता है कि इस विश्वविद्यालय द्वारा इन्हें डॉक्टर ऑव लिटरेचर की उपाधि सन् 2005 में प्रदान की गई।

University of Lucknow

Whereas PRAYAG NARAYAN having completed at the University a prescribed course of research for the Degree of DOCTOR OF LITERATURE in SANSKRIT in the Faculty of Arts and has presented a thesis of sufficient merit as an original contribution to knowledge.

This is to certify that he/she has been duly admitted to the Degree of DOCTOR OF LITERATURE of this University in the year 2005 .

Title of the thesis : KALPASUTRA PARAMPARA MEN APASTAMBA SUTRA SAHITYA KA SAMIKSHATMAKA ANUSHILAN

लखनऊ (भारत)
Lucknow (INDIA)
दिनांक
Dated 6 February, 2006

कुलपति
Vice Chancellor